मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–001

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

सी.बी.के.जी.-001 : भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में काल-चिन्तन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

   (i) काल की वैदिक अवधारणा का वर्णन कीजिए।

   (ii) भारतीय दर्शन से लेकर पुराणों तक काल की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

   (iii) सेमेटिक तथा वैदिक प्रलय की अवधारणा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

   (iv) चक्रीय तथा एकरैखिक काल के अन्तर को स्पष्ट कोजिए।

(v) पृथ्वी की गतियों का कालगणना में महत्त्व लिखिए।

(vi) सूर्य संक्रान्तियां की कालगणना में क्या भूमिका है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

(vii) भारतीय वाङ्मय के आधार पर काल के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

(viii) कालगणना में नक्षत्र तथा राशियों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $6 \times 5 = 30$

(i) दिन और रात किस स्थिति में होते हैं ?

(ii) नक्षत्र किसे कहते हैं ?

(iii) छाया ग्रह से क्या अभिप्राय है ?

(iv) भारतीय दर्शनों के नाम तथा उनके आचार्यों का नाम लिखिए।

(v) काल के कितने भेद हैं ?

(vi) भारतीय मत में कालगणना के आधार क्या हैं ?

(vii) ज्योतिष्शास्त्र से क्या अभिप्राय है ?

(viii) पुराणों की विषय-वस्तु क्या है ?